दुष्यंत कुमार साहू (प्रधान पाठक)

शास माध्य शाला सेमरा बी संकुल केंद्र दोनर, पोस्ट - बारना,

विकासखंड धमतरी, तह- धमतरी , जिला- धमतरी, छत्तीसगढ़

शाला का डाइस कोड़ -**22133007502**

EMAIL ID- dushyantsahudmt@gmail.com

mo-7697510997

कुल छात्र -	कक्षा	बालक	कन्या	योग
	6 से 8वी	33	29	62

कुल शिक्षक 04

सफलता की कहानी

शाला का संदर्भ

शास माध्यमिक शाला सेमरा बी छत्तीसगढ़ के धमतरी जिला के अंतरगत जिला मुख्यालय से 25 किमी की दुरी पर महानदी के तट पर स्थित है । इस विद्यालय में अनुजाति, जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के सामान्यत गरीब बच्चे पढ़ते है। साधन संपन्न घरो के बच्चे गाँव से 12 से 25 किमी दूर कुरूद एवं धमतरी के निजी स्कूलों में पढ़ते है। पर विद्यालय में कोई काम करवाना हो तो उन्ही साधन संपन्न लोगो से मिलकर करवाना पढ़ता है गांव की जनसंख्या लगभग १५६४ के आसपास है । हमारे विद्यालय परिसर में दो विद्यालय संचालित है। प्राथमिक विद्यालय एवं माध्यमिक विद्यालय में एक खेल का मैदान है, जिसका साझा उपयोग किया जाता है ।

सामाजिक आर्थिक -

इस गाव में सभी जाती और समुदाय के लोग रहते है । सभी ग्राम वासियों का व्यवहार सहयोगात्मक है। यहाँ अनुसूचित जाती के सतनामी समाज को लोगो की भी प्रयाप्त संख्या है। अतः अन्य त्योहारों के साथ साथ घासीदास जयन्ती भी धूमधाम से मनाते है। यहाँ लोगो का जीवन यापन धान की खेती और भिन्डी टमाटर की खेती पर निर्भर है। बड़े किसान बहुत थोड़े लोग है। शेष खेतिहर मजदुर है। जमींन दो फसली है। साल में दो बार खेती होती है। नदी किनारे के गाव होने के कारण केवट लोगो की संख्या प्रयाप्त है। इसके अलावा तेली , मरार, धोबी , कुर्मी , कुम्हार, रावत, आदि जाती के लोग भी निवास करते है ।

मेरी पदस्थापना इस विद्यालय में अक्टुबर सन 2010 से है, जब मै वह गया उस समय वह एक अत्यंत साधारण विद्यालय था भौतिक संसाधन हो चाहे

शैक्षिक स्तर एकदम न्यून था। पर मैंने पाया कि यहा आगे बढ़ने की अपार सम्भावनाये है। क्योकि गाव दो फसली है। मजदुर वर्ग के लोगो के लिए काम की कमी नहीं है ।

चुनौतिया -

1. शाला में भौतिक सुविधाओं का नितांत अभाव था। पर्याप्त मात्रा में टाटपट्टी भी नही था। एक भी शौचालय उपयोग के लायक नही था। बच्चों को टायलेट के लिए नाला जाना पड़ता था जो कि विद्यालय से 1/2 किमी. दूर था।

2. शाला परिसर में पेड़ पौधे भी नही थे।

3. मध्यान्ह भोजन के लिए बच्चों के पास थाली भी नही था।

4. विद्याथियों का शैक्षिक स्तर बेहद कमजोर था।

5. नामांकन के बाद उनका ठहराव एक बड़ी समस्या थी।

बदलाव की शुरुवात

शाला प्रबंधन समिति की पहली बैठक थी, मेरे जाने के बाद तब मुझे उस विद्यालय में आये मात्र १० दिन ही हुए थे। एक पंच ने सवाल उठाया " गुरूजी आप देखते नहीं है। बच्चे नाला के तरफ घुमते रहते है " मैंने कहा " एक दो बच्चे चले जाते होंगे। हमने पता कंरने की बात कही स्टाफ में पता करने पर पता चला कि प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय मिलाकर उस वक्त लगभग ३०० बच्चे पढ़ते थे, जिसके लिए एक भी शौचालय उपयोग के लायक नहीं था। भोजन के बाद बच्चे शौच के लिए नाला जाते थे। नाला विद्यालय से आधा किलोमीटर दूर था। यह बात हमने सरपंच को बताई जो कि एक महिला सरपंच थी, धीरे धीरे पांच साल में उन्होंने प्राथमिक और माध्यमिक शाला के लिए कुल आठ शौचालय

बनवाए । फिर भी समस्या दूर नहीं हुई, क्योकि शौचालय में पानी की व्यवस्था नहीं थी। अब हमें शौचालय, हाथ धोने तथा रसोई के लिए निरंतर जल की व्यवस्था करना था।

एक थी दुखिन दीदी -

एक दिन मुझे मंदिर उद्घाटन का निमंत्रण मिला, पता चला कि गाव में एक महिला ने मंदिर बनवाई है। हमने सोचा कि जो मंदिर बनवा सकती है, वो स्कूल के लिए भी कुछ कर सकती है । उससे संपर्क कर उसे बताया गया कि स्कूल भी एक मंदिर है, जहा जाग्रत देवता रहते है। वो महिला थी दुखिन दीदी यादव जो कि, गाव में चाय नाश्ता का होटल चलाने वाली एक परित्यक्ता महिला थी, उनका कोई बाल बच्चा नहीं था, विवाहों उपरांत परित्यक्ता जीवन की पीड़ा को उसने गाव के बच्चो के बीच भुलाने की युक्ति खोज ली।

यही कारण है कि, उन्होंने एक एक पैसा जोड़कर विद्यालय को अभी तक रुपए 50,000 (पचास हजार) यह सोच कर दे दी कि, स्कूल में दिया गया दान हजारों यज्ञो से बड़ा है। सबसे पहले उन्होंने विद्यालय को रु 20,000 (बीस हजार) दिए। जिससे सत्र 2012-13 में विद्यालय में मोटर पंप पाइपलाइन बिछाकर निरंतर जल की व्यवस्था की गई, जिसमें लगभग रुपए 45000(पैतालीस हजार) खर्च आया था। शेष राशि जन सहयोग से पूरा किया गया। इसी प्रकार सरस्वती प्रतिमा की स्थापना के लिए रुपए 2000 (दो हजार) तथा शुद्ध जल (वाटर फिल्टर) के लिए रुपए 8000 (आठ हजार) विद्यालय को प्रदान किये थे । विद्यालय के लिए समर्पित दुखीन दीदी अब हमारे बीच नहीं रही ।

दिनांक 25 जून 2018 को उनका देहावसान हो गया पर उनका नाम हमारे बीच हमेशा अमर रहेगा । बाद में पता चला कि उन्होंने विद्यालय के नाम एक बचत खाता भी खोला था । अभी 04 दिस. 2019 को उनके भतीजे संतोष यादव ने उनके बचत खाते में जमा राशी रु 19889 (उन्नीस हजार आठ सौ नवासी) का धनादेस विद्यालय को सौपे है । जिससे विद्यालय के लिए प्रोजेक्टर क्रय किया गया है ।

1- वृक्षारोपण -

पर्यावरण संरक्षण के लिए हमारे विद्यालय में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण किया गया है। इसका प्रारम्भ हमारे शिक्षक साथियों के द्वारा स्वयं दस नग ट्री गार्ड की व्यवस्था करके किया गया। फिर लोग जुडते गये। वर्तमान में 200 से अधिक पेड पौधे लगे है। जिसके लिए 55 नग ट्री गार्ड की व्यवस्था है। शेष के लिए कटीले तार की व्यवस्था की गई है। जिसका देखभाल विद्यालय के शिक्षक बच्चे एवं शाला प्रबंधन समिति के द्वारा किया जा रहा है। इससे बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढी है। हमारे विद्यालय (प्राथमिक विभाग) के एक शिक्षक श्री उमेश

चंद्राकर इसके प्रभारी है । वे दसहरा हो या दीपावली या गर्मी का अवकाश हो हमेशा पेड़ो में पानी डालने के लिए नियमित विद्यालय आते है । मेरी जिम्मेदारी सिर्फ नए पौधे , खाद पानी पाइप आदि की व्यवस्था करना है । जो पौधे लगे है । उसका विवरण निम्नानुसार है -

क्र	पौधें का नाम	संख्या
1	अशोक	55
2	कटहल	30
3	मुनगा	02
4	बोहार	03
5	आॅवला	06
6	अमरूद	10
7	नींबू	11
8	गुलाब	08
9	गरूड	01
10	गुडहल	09
11	गिलोय	03

12	करौंदा	02
13	क्रिसमस ट्री	06
14	चंम्पा	01
15	विद्यापत्ति	01
16	पाम	25
17	सुपाडी	05
18	सल्फी	02
19	आम	06
20	चीकू	06
21	बादाम	04
22	अमलतास	01
23	शमी	01
24	पारिजात	02
25	शहतूत	02
26	रूद्राक्ष	01

2. मध्यान्ह भोजन के लिए थाली गिलास - शुरू में कई बच्चें मध्यान्ह भोजन में भोजन ग्रहण नही करते थे। कारण पता करने पर पता चला कि, विद्यालय में थाली की व्यवस्था नही है। अतः सर्वप्रथम दोनो विद्यालय के लिए शाला प्रबंधन समिति के सहयोग से 250 नग थाली एवं 150 नग गिलास की व्यवस्था की गई। अब सभी बच्चे विद्यालय में मध्यान्ह भोजन ग्रहण करते है ।

3- विज्ञान कार्नर - विद्यालय में जनसहयोग से पुस्तकालय एवं विज्ञान कार्नर बनायें गये है। इसकें लिए दीवाल पर कांच वाली आलमारी बनाए गये है। जहा पर विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान के मॉडल एवं प्रायोगिक सामाग्री सुव्यवस्थित रखे गये है। जिनका शिक्षण कार्य को सुगम बनाने के लिए उपयोग किया जाता है। जो बच्चों के लिए सर्वसुलभ है। अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप भी उपलब्ध है ।

4- समर कैम्प - यहाँ परीक्षा के बाद समर कैम्प का आयोजन किया जाता है। जहा शिक्षकों के द्वारा बच्चों को पेपर आर्ट (कागज के फूल, मौखौटे निर्माण) आदि सिखाये जाते है। कौशल विकास के तहत बच्चे अपने घरो को सजाने की सामग्री बनाना सिखते है ।

5- शिक्षण में नई तकनीक - विद्यालय में शिक्षकों के द्वारा एवं शाला प्रबंधन समिति के सहयोग से स्मार्ट टी.वी. एवं प्रोजेक्टर की व्यवस्था की गई है । जिसमें यू-ट्यूब से शिक्षण सामग्री प्राप्त कर समय समय पर बच्चों को उसकी जानकारी दी जाती है।

6- सांस्कृतिक कार्यक्रम - इस विद्यालय में प्रत्येक राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, माता उन्मुखीकरण, स्वच्छता अभियान, के अवसर पर बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जाते है। कार्यक्रम के लिए साड़ी, शामियाना, माईक की व्यवस्था जनसहयोग से किया गया है। विभिन्न महिला स्व सहायता समूह के द्वारा साड़ी एवं अन्य सामग्री प्रदान किये गये है ।

7- खेलकूद - शारीरिक शिक्षा के रूप में नियमित रूप से बच्चो को खेलकूद करवाए जाते है । व्यायाम एवं योग कक्षाओ का आयोजन भी किया जाता है । सत्र 2014-15 संकुल स्तरीय बाल क्रीडा प्रतियोगिता में हमारे बच्चो का प्रदर्शन इस प्रकार रहा है -

सामूहिक खेल	परिणाम
कन्या खो खो	प्रथम
कन्या कब्बड्डी	प्रथम
बालक खो खो	प्रथम
बालक कब्ब्बड्डी	द्वितीय
कन्या रिलेरेस	द्वितीय

व्यक्तिगत खेल	
गोला फेक (कन्या)	द्वितीय
बालक 100 मी. दौड	द्वितीय

8- स्काउट एवं गाइड- इस विद्यालय में स्काउट एवं गाईड की स्थापना की गई है। जनसहयोग से स्काउट एवं गाइड के लिए 06-06 नग गणवेश की व्यवस्था की गई है। यहा के विद्यार्थी समय-समय पर विकासखण्ड द्वारा आयोजित स्काउट गाइड कैम्प में भाग लेते है। जिसका विवरण इस प्रकार है।

सत्र	कैम्प स्थान	सोपान	भाग लेने वाले स्काउट	भाग लेने वाले गाइड
2013-14	मथुराडीह	द्वितीय	06	06
2014-15	रूद्री	तृतीय	02	04
2015-16	दोनर	द्वितीय	04	04
2016-17	सेमरा बी	द्वितीय	03	03

9- शाला सुरक्षा -1.जन सहयोग से रेतभरी बाल्टी एवं अग्निशमन यंत्र की व्यवस्था की गई है। 2. नशा मुक्त पोस्टर - शाला से 100 मीटर की परीधि में मद्यपान, धूम्रपान निषेध के पोस्टर लगाये गये है। 3. पाक्सों बाक्स लगाये गये है। गुडटच बेडटच की जानकारी के पोष्टर लगाये गये है। 4. बालिकाओं के सेनेटरी नेपकीन की व्यवस्था है। विद्यालय में महिला शिक्षिकाओं के द्वारा प्रतिमाह

बालिकाओं को विशेष आवश्यकता के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की जाती है। 5. वाटर फिल्टर- जन सहयोग से विद्यालय में वाटर फिल्टर की व्यवस्था की गई है।

10- सरस्वती प्रतिमा - सत्र 2016-17 में विद्यालय में जन सहयोग से माँ सरस्वती की प्रस्तर प्रतिमा की स्थापना की गई है। जिसमें विद्यालय में उच्च नैतिक वातावरण बना रहे। प्रतिवर्ष विद्यालय में बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजन का आयोजन किया जाता है ।

11- बीमार बच्चों के लिए बिस्तर - यहाँ पर ऐसे बच्चें भी पढतें है जो कि, अचानक स्वास्थ्य खराब हो जाने पर अपने घर नही जा पाते क्योंकि उनकें मातापिता काम पर गये होते है। घर पर कोई नही होता ऐसे बच्चों के लिए विद्यालय में ही एक बेड की व्यवस्था की गई है।

शाला में बीमार बच्चे के लिए बेड

शाला में भारत की फसलों के बीजों का संग्रह

12- कामगारों का अवलोकन - हमारे विद्यालय में विद्याथियों को कामगारों का अवलोकन के लिए उनके कार्य स्थल का भ्रमण कराया जाता है। गत वर्ष ईट भटठे का भ्रमण करवाया गया था ईट भट्ठों में काम करने वालों के कई बच्चे हमारे विद्यालय में पढते है। शाला के विद्यार्थियों को अपने बीच पाकर उन्हें भी बडी खुशी हुई। बच्चों ने कामगारों से प्रश्न पूक्षकर उनके जीवन के बारे में जानकारी प्राप्त की जैसे-

1. वे दिनभर में कितना ईट बना लेते है।
2. प्रतिदिन कितनी कमाई कर लेते है।
3. क्या मजदूरी समय पर मिलती है।
4. यहाँ पर काम करते समय क्या-क्या समस्याए आती है।

शाला के बच्चों द्वारा ईट भटठे का अवलोकन

परिणाम

अब हमारे विद्यालय के विद्याथी भी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओ में चयन होने लगे है । राष्ट्रिय साधन सह प्रावीण्य परीक्षा में सफल होने वाले विद्याधियो का विवरण इस प्रकार का है-

क्र	नाम	पिता	जाति	वर्ग	सत्र
1	कु. योगिता	प्रहला जांगडे	सतनामी	अनु जाति	2013-14
2	धर्मेन्द्र कुमार	बोधन लाल	तेली	पिछडा वर्ग	2013-14
3	राहुल कुमार	लोमस सिंह	राजपूत	सामान्य	2014-15
4	कु रश्मि	शेष कुमार	तेली	पिछडा वर्ग	2014-15
5	कु पायल	जन्नू राम	कंवर	जनजाति	2014-15
6	कु गायत्री	बुधारू राम	राउत	पिछडा वर्ग	2014-15
7	कु योगेश्वरी	सुखम राम	गोंड	अनु जनजाति	2017-18
8	नीतेश्वरी	ओंकार	सतनामी	अनु जाति	2018-19

संकुल स्तरीय प्रावीण्य परीक्षा-हमारे संकुल में प्रतिवर्ष संकुल स्तरीय 5वी एवं 8वीं के विद्याथियों का प्रावीण्य परीक्षा का आयोजन किया जाता है जिसमें भी हमारे विद्यार्थियों का प्रदर्शन अच्छा रहता है।

प्रयास विद्यालय में चयन - माध्यमिक शाला सेमरा बी से पढकर निकलने वाले विद्याथियों का प्रदर्शन उच्च कक्षाओं में भी अच्छा रहता है। कक्षा 10वीं के राहुल कुमार राजपूत ने सत्र 2016-17 में 95 प्रतिशत अंकों से परीक्षा उतीर्ण की है साथ ही प्रयास विद्यालय रायपुर के लिए भी उनका चयन हुआ था। इसी प्रकार से कई अन्य विद्याथी भी दसवी, बारहवी की परीक्षा अच्छे अंको से उत्तीर्ण कर रहे है।

प्रतिभा सम्मान - वार्षिक अर्धवार्षिक मूल्यांकन के समय अच्छा प्रदर्शन करने वाले विद्याि‍थियों को शाला प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों के द्वारा समारोह पूर्वक सम्मान करवाया जाता है।

शिक्षक सम्मान - शाला प्रबंधन समिति के द्वारा प्रतिवर्ष शिक्षक दिवस के अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षको का श्रीफल एवं शाल भेटकर सम्मान किया जाता है। जिससे हम सभी शिक्षक साथियों को विद्यालय के प्रति लगन से काम करने की प्रेरणा मिलती रहती है ।

नल जल, वाटर फ़िल्टर, वृक्षारोपण आदि गतिविधियों के अवलोकन के लिए १४ अगस्त २०१६ को माननीय कलेक्टर धमतरी एवं जिला शिक्षा अधिकारी महोदय धमतरी का शासकीय माध्यमिक शाला सेमरा बी में गरिमामयी आगमन हुआ था ।

भविष्य की योजनाए-

1. आधुनिक तकनीक स्मार्ट टी.वी. प्रोजेक्टर, कम्युटर आदि का प्रयोग कर विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा, जवाहर उत्कर्ष योजना तथा प्रयास विद्यालय की तैयारी करवा कर अधिक से अधिक बच्चों का चयन करवाना।

2. बहुउपयोगी बडे हाल बनवाने के लिए प्रयास करना। जिसका विविध उपयोग किया जा सके जैसे - योग कक्षा का संचालन, भाषण गीत आदि बाल सभा का आयोजन प्रोजेक्टर के माध्यम से फिल्म प्रदर्शन आदि कार्यक्रम का आयोजन किया जा सकें।

3. पोषण वाटिका का निर्माण - विद्यालय में उपलब्ध जमींन में ड्रिप सिंचाई की व्यवस्था कर सब्जी बाड़ी लगाना। जिससे बच्चो को मध्यान्ह भोजन में ताज़ी हरी सब्जी मिल सकेगा । इस सम्बन्ध में सरपंच महोदया से सहमती मिल चुकी है। उन्होंने भी पंचायत विभाग के सहयोग से ये काम पूर्ण करने की बात कही है

शिक्षक की उपलब्धि -

1. मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण पुरस्कार 2017 - शिक्षक को उनके अनुकरणीय अध्यापन, उल्लेखनीय लोक सेवा तथा उत्कृष्ठ कार्य निष्पादन हेतु शिक्षा गौरव अलंकरण पुरस्कार के अंतर्गत ‘‘ज्ञानदीप‘‘ शिक्षक पुरस्कार से जिला स्तर पर सन् 2017 में सम्मानित किया गया। समान स्वरूप सात हजार रूपये नगद एव0ं प्रशस्ति प्रत्र प्रदान किया गया।

2. मुख्य मंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण पुरस्कार 2019- शिक्षा गौरव अलंकरण पुरस्कार के अंतर्गत सन् 2019 में शिक्षक दिवस के अवसर पर ‘‘श्रेष्ठ शिक्षक‘‘ पुरस्कार से जिला स्तर पर समानित किया गया । सम्मान स्वरूप एक हजार रूपयें नगद एवं प्रशस्ति प्रत्र प्रदान किया गया।

स्कूल लीडर के रूप में स्वयं की भूमिका -

अच्छे शैक्षिक वातावरण के लिए मैं एक दुकानदार की तरह सोचता हूॅ। जिसप्रकार एक दुकानदार के लिए ग्राहक भगवान होता है। उसी प्रकार हमारे (शिक्षक) लिए बच्चें भगवान होते है। इसलिए मेंरी कोशिश होती है कि बच्चों को विद्‌यालय में घर से भी ज्यादा आनंदपूर्ण वातावरण मिले। हमारे विद्‌यालय में देर से आने वाले या लम्बी अनुपस्थिति के बाद आने वाले बच्चें का भी गुलाल लगाकर स्वागत किया जाता है। जैसे भी हों बच्चे प्रतिदिन विद्‌यालय तक आए तो सही।मै यह भी नही चाहता कि, सभी शिक्षक मेरा अनुकरण करे, अपितु वे अपनी रूचि के अनुरूप काम करें और सभी शिक्षक अपने क्षेत्र में लीडर बनें। इसी कारण हमारे यहाॅ जिस शिक्षक की रूचि खेलकूद में है, वे बच्चों को खेलकूद सिखाते है। जिनकी बागवानी में रूचि है वे पेड पौधों को देखते है। जिनकी रूची सांस्कृतिक कार्यक्रम में है। वे बच्चों को नृत्य संगीत सिखाते है। मैं बस सहयोग करता हूॅ ।

''सम्मान दो सम्मान लो'' मेरी कोशिश होती है कि सबकों सम्मान दू । खासकर शाला प्रबंधन के सदस्यों का। क्योंकि वे अपना काम छोडकर हमें अपना अमूल्य समय प्रदान करते है।

''शुचिता '' प्रत्येक क्षेत्र में पवित्रता आवश्यक है। इसीकारण हमारे विद्‌यालय के कक्षा कमरे में विद्‌याथियों के साथ साथ शिक्षक भी जूते चप्पल निकाल कर प्रवेश करते है। दोपहर में भोजन के समय सभी शिक्षक अपना टिफिन स्वयं साफ करते है।

आभार

हमारे विद्यालय के समस्त शिक्षक साथियों शाला प्रबंधन समिति के सदस्यगण, ग्राम पंचायत के पदाधिकारियों एवं समस्त ग्रामवासियों का हम तहेदिल से अत्यंत आभारी है । जिनके सहयोग से शाला विकास का यह कार्य संपन्न हो सका है।